



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 46-2021] CHANDIGARH, TUESDAY, NOVEMBER 16, 2021 (KARTIKA 25, 1943 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

अधिसूचना

दिनांक 8 नवम्बर, 2021

संख्या 12/158-2012-Pura/4004-09.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग, अधिसूचना संख्या 3244-3249 दिनांक 20 अगस्त, 2018, के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित स्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2,3,4,5 तथा 6 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं :-

अनुसूची

| प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम | पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम | गांव / शहर का नाम | तहसील / जिला का नाम | संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या | संरक्षित किया जाने वाला संरक्षण क्षेत्र | स्वामित्व | विशेष कथन |
|--------------------------------------|------------------------------------|-------------------|---------------------|-------------------------------------|---|---------------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| लोहारू किला | लोहारू किला | भिवानी | भिवानी | 725 727 728 729 | कनाल-मरला 64-18 | हरियाणा सरकार | लोहारू किला ठाकुर अर्जुन सिंह द्वारा वर्ष 1570 ई० में बनाया गया था। राव शेखा ने मूल रूप में शेखावती को 33 ठिकानों में विभाजित किया था, जिनमें लोहारू किला 33 वां था। यह तब एक छोटा सा गांव था जहां एक कच्चा तथा मिट्टी का किला था और 1800 ई० तक ऐसा रहा। निर्माण के वर्षों में लोहारू किला वास्तुकला का एक दिलचस्प मिश्रण था। किले के दक्षिण हिस्से में दीवान-ए-खास |

| प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम | पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम | गांव / शहर का नाम | तहसील / जिला का नाम | संरक्षणाधीन राजस्व खसरा / किला संख्या | संरक्षित किया जाने वाला संरक्षण क्षेत्र | स्वामित्व | विशेष कथन |
|--------------------------------------|------------------------------------|-------------------|---------------------|---------------------------------------|---|-----------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | | | | | | | और शीशमहल के दर्शन कक्ष शामिल है जिनमें मुगल राजपूत शैली का विवरण है। दक्षिण हिस्से के केंद्रीय भाग में एक बड़ा विक्टोरियन शैली का सभागार और भोज कक्ष शामिल था। दक्षिण हिस्से के दाहिने तरफ रसोईघर सहित जनाना महल शामिल था। दक्षिण हिस्से के बाएं तरफ से मुगल वास्तुकला का प्रयोग किया गया था। पूर्वी हिस्सा दिल्ली हवेली शैली में निर्मित किया गया था। |

डा० अशोक खेमका,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 8th November, 2021

No. 12/158-2012-Pura/4004-09.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Archaeology and Museums Department, Notification number 3244-3249, dated the 20th August, 2018, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, and 6 of the said Schedule to be protected area :-

SCHEDULE

| Name of ancient Historical Monument | Name of the Archaeological Site and remains | Name of village/ City | Name of Tehsil and district. | Revenue Khasra /Kila number to be included under protection. | Area with Kila number which is to be protected | Ownership | Remarks |
|-------------------------------------|---|-----------------------|------------------------------|--|--|-----------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| Loharu Fort | Loharu Fort | Bhiwani | Bhiwani | 725 727 728 729 | Kanal - Marla 64 - 18 | Government of Haryana | Loharu Fort was built in the year 1570 CE by Thakur Arjun Singh. Rao Shekha had originally divided Shekawati into 33 <i>thikanas</i> , of which Loharu fort was 33 rd . It was then a small village with a <i>kuccha</i> , a mud fort, and stayed as such until 1800 A.D. Over the years of the constructions Loharu Fort came to include an interesting blend of architecture. The south wing of the fort contained the Diwan-e-Khas and <i>Sheesh Mahal</i> or the Room of Mirrors, which has the Mughal/Rajput style detail. The central part of the south- wing contained a large Victorian style |

| Name of ancient Historical Monument | Name of the Archaeological Site and remains | Name of village/ City | Name of Tehsil and district. | Revenue Khasra /Kila number to be included under protection. | Area with Kila number which is to be protected | Ownership | Remarks |
|-------------------------------------|---|-----------------------|------------------------------|--|--|-----------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| | | | | | | | audience chamber and a banquet hall. The right side of the south- wing consisted of the <i>Zanana Mahal</i> along the kitchens. The left side of the south-wing was purely Mughal architecture. The east-wing was executed in the Dehli Haveli style. |

DR. ASHOK KHEMKA,
Principal Secretary to Government Haryana,
Archaeology and Museums Department.